

अञ्जनकेश (2. अ० + केश) adj. f. ई *eine Mähne so schwarz* (wohl nicht glatt) wie Augensalbe habend: अञ्जतरी MBh. 1, 8008.

अञ्जनगिरि m. N. pr. eines Berges Spr. 1479; vgl. अञ्जनपर्वत PAÑKAT. 120, 9, अञ्जनागिरि und अञ्जनागिरि.

अञ्जननामिका Suçr. 2, 307, 18. 308, 18.

अञ्जनपुर n. N. pr. einer Stadt Verz. d. Oxf. H. 134, a, 1.

अञ्जनागिरि vgl. अञ्जनगिरि.

अञ्जनाचल m. N. pr. eines Berges (अचल) R. 3, 31, 26. — Vgl. अञ्जनगिरि.

अञ्जनाद्रि m. desgl. Verz. d. Oxf. H. 30, a, 5.

अञ्जनाभ (2. अञ्जन + आभा) m. N. pr. eines Berges (schwarz wie Augensalbe) MBh. 13, 7658.

अञ्जलि 2) = 2 Prasṛta = 1/2 Mānikā Verz. d. Oxf. H. 307, b, 8. — Vgl. कर्पाञ्जलि.

अञ्जलिक m. eine Art von Pfeilen MBh. 6, 2757. 5022.

अञ्जलिपात m. = अञ्जलिकर्मन् Spr. 3013.

अञ्जसा 2) MBh. 3, 1084. = अञ्जवेन Schol. — 3) नहि कश्चित्प्रियः स्त्रीणामञ्जसा Spr. 4371. KUMĀRAS. 6, 22. — Vgl. अञ्जस्य.

अञ्जसायन TS. 7, 2, 1, 2. 3, 9, 3. 4, 1, 3.

अञ्जस्या lies alsbald trinkend (den noch süßes Soma).

अञ्जि, f. अञ्जिनी = मङ्गलार्थः UGĒVAL. zu UNĀDIS. 4, 139.

अञ्जिम m. N. pr. eines Dānava: अञ्जिगस्य दानवस्य साम Ind. St. 2, 202, a. — Vgl. अञ्जिक.

अञ्जिर्मु m. = अञ्जिष्ठ UGĒVAL. zu UNĀDIS. 4, 2.

अञ्जिर m. ein best. Baum MBh. 3, 11568.

अञ्जोर्यन (अञ्जम् + यान) adj. stracks zum Ziele führend AV. 18, 2, 53.

अञ्ज० und अञ्जो० die Hdschr.

अञ्जैवैत्रप n. N. eines Sāman Ind. St. 3, 202, a.

अञ्, महीमञ् durchstreichend DAÇAK. in BENF. Chr. 179, 6. भिनाम् betteln gehen PAÑKAT. 3, 13, 18.

अञ्, wegen पत्याट ist wohl अञ् (s. d.) anzunehmen.

अञ्टन vgl. दिवाटन, नगाटन, भिनाटन.

अञ्टनि HALĀ. 2, 310 (अञ्टनी v. l.). स्थलनिवेशिताटनी धनुषी RAÇH. 11,

14. अञ्टनि und अञ्टनी sind aus अञ्जिनी entstanden.

अञ्टवषक Z. 3 lies अञ्टवष st. अञ्टवष.

अञ्टवीबल (अञ् + बल) n. ein aus Waldbewohnern gebildetes Heer Spr. 4401. — Vgl. अञ्टविक.

2. अञ्ट 1) a) नरेन्द्रमार्गाट RAÇH. 6, 67.

अञ्टकास 1) WILSON, Sel. Works 2, 234. — 2) Verz. d. Oxf. H. 53, a, 29. — 3) N. pr. eines Jaksha KATHĀS. 73, 33. — 4) N. pr. eines Berges Verz. d. Oxf. H. 53, a, 30.

अञ्टकासेरतीर्थ (अञ्टकास - ई० + तीर्थ) n. N. pr. eines Tirtha Verz. d. Oxf. H. 67, a, 33.

अञ्टका Wilson, Sel. Works 2, 232.

अञ्टार vgl. अञ्टार.

अञ्ठिद् m. pl. N. pr. eines Volkes MBh. 6, 371, v. l. der ed. Bomb. für अलिन्द.

अञ्जुचल m. ein best. Theil des Pfluges KṚSHISĀṆER. 9, 6.

अञ्पाक (oder अणाक) m. ein best. Vogel Suçr. 1, 201, 19.

1. अणामन् 4) Verz. d. Oxf. H. 51, a, 13. 231, b, 8. अणामाद्यस्तु देवताः 19, a, 20.

अणोष्ठ Z. 3 lies वज्रपादानो; Z. 4 lies 31. 22. st. 29.

अणीचिन् m. N. pr. eines Mannes mit dem patron. Mauna ÇĀṆKH. Br. 23, 5.

अणीयंस्, न किमपि सारमणीयः auch nicht das geringste Gute Spr. 3576.

अणु 1) oxyt. UNĀDIS. 1, 8. Sp. 83, Z. 7 die neuere Ausg. liest नित्यं

मनसाध्य०. यो ऽयमणु दीर्घमस्वर्माश्रावयति schwach ÇAT. Br. 11, 4, 2, 9.

अणुतर überaus schwach: निःश्याम DAÇAK. in BENF. Chr. 198, 22. — 2)

d) = परमाणु Atom BHĀSHĀP. 33. भूयाद्यणुसयोग Verz. d. Oxf. H. 231,

a, 28. — e) = मनु Spruch WEBER, RĀMAT. Up. 274. 293. 318. 320.

अणुक vgl. जलाणुक.

अणुता Z. 2 lies त्यत्युच्चैः०.

अणुभाष्य n. Titel eines Werkes, Abkürzung von ब्रह्मसूत्राणुभाष्य; ०विवरण HALL 204.

अणुमात्रा (अणु + मा०) f. eine Viertel-Mora VS. PRĀT. 4, 146. AV. PRĀT. 3, 65.

अणुवेदान्तरसप्रकरण n. Titel eines Werkes HALL 93 (अणु०, im Ind. aber अणु०). अणु० WILSON, Sel. Works 1, 141.

अणुह MBh. 1, 226.

अण्डक Eī überh.: बृहस्पदण्डकैकातरखण्ड Çiç. 9, 9.

अण्डकटाह BHĀS. P. 5, 17, 1.

अण्डकोष vom Weltei BHĀS. P. 2, 8, 16. 3, 20, 15.

अतक vgl. अतक.

अतदुणा m. eine Modification der Redefigur तदुणा. संगतान्यगुणानङ्गीकारमाङ्करतदुणाम् (अङ्गीकार = स्वीकार, vgl. u. d. W.) KUVĀLAJ. 141, a. सति हेतावतदुणास्वीकारः स्यादतदुणाः PRATĀPAR. 89, a, 1.

अतस्त्री füge f. nach adj. hinzu.

अतस् Z. 6. 7 ÇVETĀÇV. Up. 1, 12 und Hit. Pr. 5 (Spr. 3100) ist अतः परम् adv.; dagegen adj. R. 3, 9, 29: गच्छ लोकानतः परान्.

अतस 2) MBh. 13, 5469.

अति 1) b) α) nachstehend: क्रोधाविष्टेषु पार्थेषु धार्तराष्ट्रेषु चाप्यति MBh. 2, 2417. — 2) a) Z. 9 füge 9, 1146 nach 7, 2235 hinzu; ebendas. nach 3, 10731 ist hinzuzufügen: मानुषानति गन्धर्वान्स्वर्गान्धर्व लक्षये 1, 6463. — c) mit folgendem abl. über: अति धर्मादलं मन्ये बलाद्धर्मः प्रवर्तते Gewalt, meine ich, geht über Recht MBh. 12, 4840. Vielleicht fehlerhaft für अधि.

अतिक्रत्याण (अ० + क०) adj. f. ई un schön ÇAT. Br. 11, 6, 1, 7. 12.

अतिक्रम das Hinüberschreiten: अतिक्रम ÇAT. Br. 3, 3, 1, 5. — Abweichung: यथा मूलं (das Original) तथैवैतन्न मनागप्यतिक्रमः KATHĀS. 1, 10. — Versehen, Missgriff, verkehrte Anwendung: न्यायागतस्य द्रव्यस्य बोद्धव्यौ दावतिक्रमौ। अपात्रे प्रतिपत्तिश्च पात्रे चाप्रतिपादनम् ॥ Spr. 1638. 2639. = अत्याधान HALĀ. 4, 69.

अतिक्रमिन्, अज्ञाति० RĀGA-TAR. 3, 232.

अतिक्रातभावनीय (अ० + भा०) adj. Bez. eines Jogin auf einer bestimmten Stufe Verz. d. Oxf. H. 231, b, 40.

अतिक्रातयोगिन् (अ० + यो०) adj. mit dem (factisch) vorübergegangenem (Monde) in (theoretische) Conjunction tretend WEBER, Na x. 1, 312: